चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 22 मई 2026, अंक –286.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

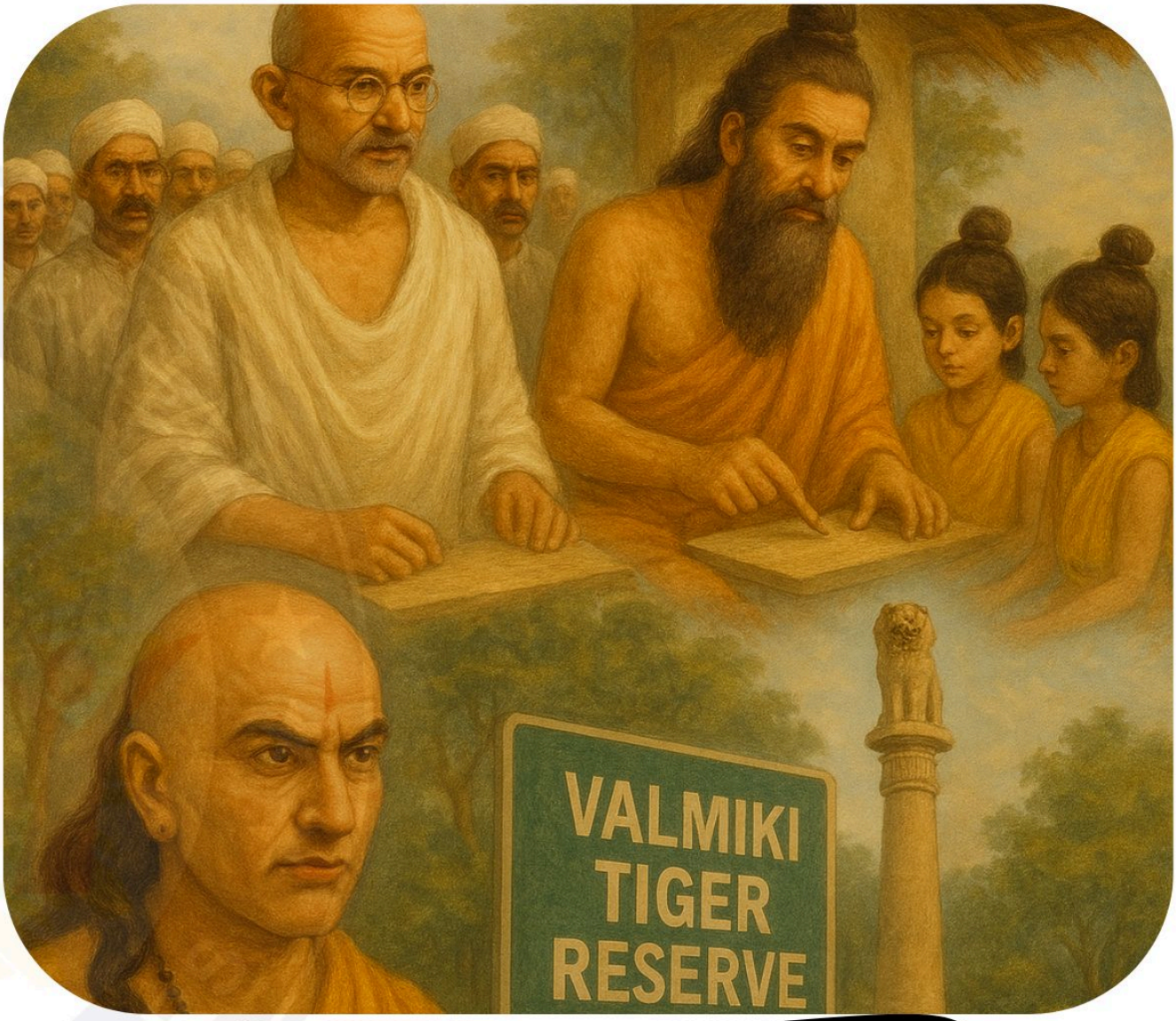

"रुका हुआ पानी और ठहरा हुआ इंसान दोनों अपनी शुद्धता खो देते हैं।"

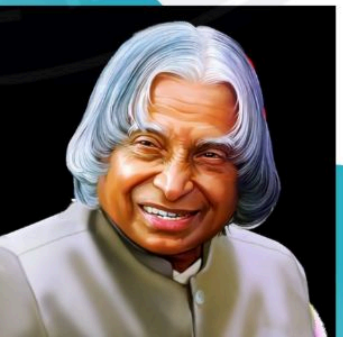

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Friday Prayer

लब पे आती है दुआ बनके तमन्ना मेरी,
जिंदगी शम्मे की सूरत हो खुदाया मेरी।

हो मेरे दम से यूं ही मेरे वतन की ज़ीनत,
जिस तरह फूल से होती है चमन की ज़ीनत।

जिंदगी हो मेरी परवान की सूरत या रब,
इल्म की शम्मा से हो मुझको मोहब्बत या रब।

हो मेरा काम ग़रीबों की हिमायत करना,
दर्दमंदों से जइफों से मोहब्बत करना।

मेरे अल्लाह बुराई से बचना मुझको,
नेक जो राह हो उस रह पे चलाना मुझको।

-मोहम्मद आलम इक़बाल

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. न्यूजीलैंड की राजधानी क्या है?
उत्तर: वेलिंगटन
प्रश्न 2. भारत में 'ऑपरेशन फ्लड' कार्यक्रम किससे संबंधित था?
उत्तर: दुग्ध उत्पादन
प्रश्न 3. 'खारची पूजा' किस राज्य का प्रमुख उत्सव है?
उत्तर: त्रिपुरा
प्रश्न 4. 48 के सभी अपवर्तक बतावें ?
उत्तर: 1, 2, 3, 4, 6, 8, 12, 16, 24 और 48
प्रश्न 5. बिहार के किस शहर में प्रसिद्ध तख्त श्री हरिमंदिर साहिब स्थित है?
उत्तर: पटना
प्रश्न 6. नामदाफा राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: अरुणाचल प्रदेश
प्रश्न 7. रक्त समूह (Blood Group) की खोज किसने की?
उत्तर: कार्ल लैंडस्टीनर
प्रश्न 8. भारत के संविधान में कुल कितनी अनुसूचियाँ हैं?
उत्तर: 12
प्रश्न 9. 'जिसे जीता न जा सके' – इसके लिए एक शब्द क्या होगा?
उत्तर: अजेय
प्रश्न 10. पृथ्वी के सबसे निकट स्थित तारा कौन-सा है?
उत्तर: सूर्य

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Marketyard – (मार्केटयार्ड) – मंडी परिसर
Basket – (बास्केट) – टोकरी
Vegetable – (वेजिटेबल) – सब्ज़ी
Fruit – (फ्रूट) – फल
Vendor – (वेंडर) – फेरीवाला / विक्रेता
Weight – (वेट) – वजन
Receipt – (रिसीट) – रसीद

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "क्या हम ... करते/करती हैं?" (Do we ...?)

क्या हम पढ़ते हैं? – Do we read?
क्या हम लिखते हैं? – Do we write?
क्या हम खेलते हैं? – Do we play?
क्या हम खाना खाते हैं? – Do we eat food?
क्या हम अंग्रेज़ी सीखते हैं? – Do we learn English?

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटोहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. 22 मई को वैश्विक स्तर पर जैव विविधता के संरक्षण और संतुलन के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु कौन सा दिवस मनाया जाता है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस
व्याख्या: प्रतिवर्ष 22 मई को संयुक्त राष्ट्र द्वारा 'International Day for Biological Diversity' मनाया जाता है। इसका उद्देश्य पृथ्वी पर मौजूद विभिन्न प्रकार के जीव-जंतुओं, वनस्पतियों और पारिस्थितिक तंत्र की रक्षा करना है। मानव अस्तित्व और पर्यावरण संतुलन के लिए जैव विविधता का समृद्ध होना अनिवार्य है।
संदर्भ: United Nations (UN), 2026.

2. भारत का 'सेमीकंडक्टर मिशन' किस क्षेत्र से संबंधित है? (समसामयिकी)
उत्तर: इलेक्ट्रॉनिक्स
व्याख्या: भारत सरकार का सेमीकंडक्टर मिशन देश में चिप निर्माण और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग को बढ़ावा देने हेतु शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य आयात पर निर्भरता कम करना और भारत को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण केंद्र बनाना है। यह तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।
संदर्भ: PIB India

3. चीनी यात्री इत्सिंग (I-Qing) ने ह्वेन सांग के जाने के लगभग कितने वर्ष बाद भारत की यात्रा की और बौद्ध धर्मग्रंथों का संकलन किया? (पुस्तक - लेखक)
उत्तर: लगभग पचास वर्ष
व्याख्या: इत्सिंग 7वीं शताब्दी के अंत में (लगभग 670 ईसवी के बाद) भारत आया था। उसने नालंदा और गया में रहकर बौद्ध धर्म के नियमों और प्रसिद्ध भिक्षुओं के जीवन के बारे में विस्तार से लिखा। ह्वेन सांग और इत्सिंग के यात्रा वृत्तांत मौर्योत्तर और गुप्तोत्तर कालीन भारत के इतिहास के मुख्य स्तंभ हैं।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 9 Vital Villages, Thriving Towns, p. 96.

4. पृथ्वी के वायुमंडल में 'आर्गन' (Argon) गैस की मात्रा कितने प्रतिशत पाई जाती है, जो एक अक्रिय (Inert) गैस है? (पर्यावरण)
उत्तर: 0.93 प्रतिशत
व्याख्या: वायुमंडल में मुख्य गैसों (नाइट्रोजन 78% और ऑक्सीजन 21%) के बाद तीसरी सबसे बड़ी मात्रा अक्रिय गैस आर्गन (0.93\%) की है, जबकि कार्बन डाइऑक्साइड केवल 0.03\% है। रासायनिक रूप से निष्क्रिय होने के कारण यह गैस कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालती, लेकिन वायुमंडलीय संरचना के संघटन के अध्ययन में इसका महत्व है।
संदर्भ: NCERT Class 7 Geography, Ch 4 Air, p. 20.

5. दक्षिण भारत के प्रसिद्ध 'चोल, चेर और पाण्ड्य' राजाओं के लिए तमिल भाषा का कौन सा विशिष्ट शब्द प्रयोग किया जाता था, जिसका अर्थ 'तीन मुखिया' है? (इतिहास)
उत्तर: मुवेंदार (Muvenðar)
व्याख्या: लगभग 2300 वर्ष पूर्व सुदूर दक्षिण में 'मुवेंदार' शब्द अत्यंत प्रसिद्ध था। यह चोल, चेर और पाण्ड्य राजवंशों के पिताओं या मुखियाओं के लिए प्रयुक्त होता था। इनके शासनकाल में दक्षिण भारत का रोमन साम्राज्य के साथ समुद्री व्यापार अपने चरमोत्कर्ष पर था।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 9 Vital Villages, Thriving Towns, p. 91.

"सामान्य-ज्ञान"

6. पवनों (Winds) के वर्गीकरण के अंतर्गत, भारत में बहने वाली 'मानसूनी पवनें' (Monsoon Winds) किस श्रेणी का उदाहरण हैं? (भूगोल)
उत्तर: मौसमी पवनें (Seasonal)
व्याख्या: मौसमी पवनें वे होती हैं जो विभिन्न ऋतुओं में अपनी दिशा बदल लेती हैं। भारत की मानसूनी पवनें इसका सबसे अच्छा उदाहरण हैं, जो गर्मियों में समुद्र से स्थल की ओर और सर्दियों में स्थल से समुद्र की ओर बहती हैं। यह हमारे देश की कृषि और वर्षा तंत्र का मुख्य आधार है।
संदर्भ: NCERT Class 7 Geography, Ch 4 Air, p. 23.

7. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के तहत 'संसदीय विशेषाधिकार' (Parliamentary Privileges) को परिभाषित किया गया है? (संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 105
व्याख्या: अनुच्छेद 105 संसद के दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा), उनके सदस्यों और समितियों की शक्तियों, विशेषाधिकारों और उन्मुक्तियों को निर्धारित करता है। इसके तहत सांसदों को सदन में दिए गए किसी भी बयान या मत के लिए न्यायालय के प्रति जवाबदेह नहीं ठहराया जा सकता, जिससे विधायी स्वतंत्रता बनी रहती है।
संदर्भ: NCERT Class 11 Pol. Science, Ch 3 Election and Representation / Legislative Power.

8. मानव शरीर में 'अग्न्याशय रस' (Pancreatic Juice) में पाया जाने वाला कौन सा एंजाइम 'प्रोटीन' को अमीनो अम्ल में तोड़ने का कार्य करता है? (विज्ञान)
उत्तर: ट्रिप्सिन (Trypsin)
व्याख्या: अग्न्याशय द्वारा स्रावित ट्रिप्सिन एंजाइम भोजन में उपस्थित जटिल प्रोटीन को सरल पेप्टाइड्स और अमीनो एसिड में बदल देता है। यह छोटी आंत (Small Intestine) में पाचन की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए अत्यंत आवश्यक है। पोषण और जैव रासायनिक क्रियाओं का यह एक मुख्य आधारभूत प्रश्न है।
संदर्भ: NCERT Class 7 Science, Ch 2 Nutrition in Animals, p. 12.

9. प्रसिद्ध स्थापत्य कला का केंद्र 'महाबलिपुरम के एकाश्मक रथ मंदिरों' (Monolithic Temples) का निर्माण पल्लव वंश के किस राजा ने करवाया था? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: नरसिंहवर्मन प्रथम
व्याख्या: तमिलनाडु के तट पर स्थित महाबलिपुरम (मामल्लपुरम) के सात रथ मंदिरों का निर्माण पल्लव सम्राट नरसिंहवर्मन प्रथम 'मामल्ल' ने 7वीं शताब्दी में करवाया था। प्रत्येक रथ को एक ही विशाल प्राकृतिक चट्टान को तराशकर बनाया गया है, जो प्राचीन भारतीय मूर्तिकला और वास्तुकला का सर्वोत्कृष्ट शिखर है।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 11 Buildings, Paintings and Books, p. 114.

10. बिहार के किस जिले में थारू जनजाति के सामाजिक-सांस्कृतिक विकास हेतु समर्पित 'थारू विकास अभिकरण' का मुख्यालय स्थित है? (बिहार GK)
उत्तर: पश्चिमी चम्पारण
व्याख्या: बिहार की प्रमुख अनुसूचित जनजाति 'थारू' मुख्य रूप से पश्चिमी चम्पारण के बगहा-2, रामनगर और गौनाहा प्रखंडों की तराई पट्टी में निवास करती है। इनकी विशिष्ट संस्कृति, हस्तशिल्प और प्रकृति-आधारित जीवन शैली के संरक्षण और आर्थिक उत्थान के लिए सरकार द्वारा यहाँ विशेष कल्याणकारी योजनाएँ संचालित की जा रही हैं।
संदर्भ: बिहार कल्याण विभाग (Welfare Dept, Bihar) / जिला सांख्यिकी हस्तपुस्तिका।

"सामान्य-ज्ञान"

11. सुरक्षित शनिवार कैलेंडर के अनुसार, तेज आंधी या चक्रवाती तूफान के दौरान घर के भीतर रहने पर सूचनाओं की प्रामाणिकता जानने का सबसे विश्वसनीय साधन क्या है? (विद्यालय सुरक्षा)
उत्तर: रेडियो/टेलीविजन (प्रशासनिक घोषणा)
व्याख्या: मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के मई सप्ताह-3 (चक्रवात/आंधी) के दिशा-निर्देशों के अनुसार, आपदा के समय मोबाइल नेटवर्क ठप होने या सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों से बचना चाहिए। मौसम की सटीक जानकारी और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों को सुनने के लिए केवल ऑल इंडिया रेडियो (आकाशवाणी) या दूरदर्शन की आधिकारिक घोषणाओं पर ही भरोसा करना चाहिए।
संदर्भ: आपदा जोखिम न्यूनीकरण कैलेण्डर 2026, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण।

12. यदि किसी निश्चित सांकेतिक कूट में 'TEACHER' को 'VGCEJGT' लिखा जाता है, तो उसी कूट नियम के अनुसार 'STUDENT' को क्या लिखा जाएगा? (रीजनिंग)
उत्तर: UVWfGPV
व्याख्या: इस तार्किक श्रृंखला में वर्णमाला का प्रत्येक अक्षर अपने से 2 स्थान आगे बढ़ रहा है (T+2=V, E+2=G, A+2=C \dots)। इसी प्रकार, S+2=U, T+2=V, U+2=W, D+2=F, E+2=G, N+2=P, T+2=V होगा। यह कोडिंग बच्चों में त्वरित मानसिक गणना और वर्णमाला अनुक्रम की समझ को सुदृढ़ करती है।
संदर्भ: Logical Aptitude Test Core Modules (2026).

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Persevere (परसिवियर) = Persist (परसिस्ट) = लगातार प्रयास करते रहना
Antonym – Quit (क्विट) = हार मान लेना
Quarrelsome (क्वॉरलसम) = Argumentative (आर्ग्युमेंटेटिव) = झगड़ालू
Antonym – Peaceful (पीसफुल) = शांतिप्रिय
Rigid (रिजिड) = Stiff (स्टिफ़) = कठोर / लचीलेपन की कमी वाला
Antonym – Flexible (फ्लेक्सिबल) = लचीला
Sparse (स्पार्स) = Scanty (स्कैन्टी) = विरल / कम मात्रा में
Antonym – Dense (डेंस) = सघन / घना
Tedious (टीडियस) = Boring (बोरिंग) = उबाऊ / नीरस
Antonym – Interesting (इंटरेस्टिंग) = रोचक

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Prime Minister inaugurates 'Bharat-Vayu 3.0' grid; India deploys 10,000 Next-Gen Air Quality Sensors with real-time micro-climate forecasting.
प्रधानमंत्री ने 'भारत-वायु 3.0' ग्रिड का उद्घाटन किया; इसके तहत देश के शहरी इलाकों में 10,000 अत्याधुनिक वायु गुणवत्ता सेंसर लगाए गए हैं, जो एआई की मदद से स्थानीय मौसम और प्रदूषण का सटीक पूर्वानुमान (Micro-climate forecasting) जारी करेंगे।

Ministry of Earth Sciences discovers vast 'Manganese Nodule' fields in the Central Indian Ocean Basin; secures strategic mineral pipeline.
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने मध्य हिंद महासागर बेसिन में 'मैंगनीज नोड्यूल्स' के विशाल क्षेत्रों की खोज की है; यह खोज भारत के इलेक्ट्रॉनिक और रक्षा उद्योगों के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण धातुओं की घरेलू आपूर्ति को सुनिश्चित करेगी।

Supreme Court rules 'Digital Clean-Up' as a fundamental aspect of Right to Privacy; guidelines issued for completely scrubbing personal data of minors upon request.
सुप्रीम कोर्ट ने 'डिजिटल क्लीन-अप' (इंटरनेट से पुराना डेटा हटाने) को निजता के अधिकार (अनुच्छेद 21) का हिस्सा माना; तकनीकी कंपनियों के लिए अब माता-पिता या वयस्कों की मांग पर उनके बचपन के डिजिटल रिकॉर्ड और तस्वीरों को पूरी तरह हटाने के कड़े नियम जारी किए गए।

INTERNATIONAL NEWS

UN Security Council adopts 'Global Treaty on Biometric Data Governance'; bans unauthorized cross-border facial recognition tracking.
संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 'वैश्विक बायोमेट्रिक डेटा शासन संधि' को मंजूरी दी; इसके तहत किसी भी देश या निजी एजेंसी द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नागरिकों की सहमति के बिना उनके चेहरे (Facial recognition) और जीनोमिक डेटा को ट्रैक करने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया गया है।

BBC News: Cambridge scientists successfully engineer 'Photosynthetic Textiles' that absorb CO2 and release Oxygen while being worn.
बीबीसी न्यूज़: कैंब्रिज विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने 'प्रकाश-संश्लेषक वस्त्र' (Photosynthetic Textiles) विकसित किए हैं; जीवित शैवाल (Algae) से बने ये कपड़े पहने जाने के दौरान वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड सोखेंगे और ऑक्सीजन छोड़ेंगे।

WHO issues global guidelines for 'Precision Medicine'; sets safety and compliance standards for AI-tailored cancer therapies.
विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने 'प्रिसिजन मेडिसिन' के लिए पहली बार वैश्विक गाइडलाइंस जारी कीं; इसके तहत प्रत्येक मरीज के डीएनए (DNA) के अनुसार एआई द्वारा तैयार की जाने वाली कैंसर थेरेपी के सुरक्षा मानक तय किए गए हैं।

BIHAR NEWS

Bihar Government to establish 'State Eco-Tourism and Wetlands Authority' in Valmiki Nagar to preserve natural carbon sinks.
बिहार सरकार वाल्मीकि नगर में 'राज्य पर्यावरण-पर्यटन एवं आर्द्रभूमि प्राधिकरण' की स्थापना करेगी; इसका मुख्य उद्देश्य उत्तर बिहार के प्राकृतिक जल निकायों और दलदली क्षेत्रों (Wetlands) का संरक्षण करना तथा पर्यावरण के अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देना है।

SCERT Bihar launches 'Ganit-Pragya 2026' program; to introduce specialized visual-math modules in 25,000 rural middle schools.
एससीईआरटी बिहार ने 'गणित-प्रज्ञा 2026' कार्यक्रम की शुरुआत की; इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों के 25,000 मध्य विद्यालयों में गणित के डर को खत्म करने के लिए एआई-आधारित विजुअल और गेमिंग मॉड्यूल लागू किए जाएंगे।

SPORTS NEWS

Indian Javelin Thrower Neeraj Chopra wins Gold at the Eugene Diamond League 2026; clinches the title with a spectacular 89.85m throw.
भारतीय स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा ने यूजीन डायमंड लीग 2026 में स्वर्ण पदक जीतकर एक बार फिर तिरंगा लहराया; उन्होंने अपने दूसरे प्रयास में 89.85 मीटर का थ्रो फेंककर शीर्ष स्थान हासिल किया।

International Gymnastics Federation introduces 'AI-Scoring Assistant' for the upcoming World Championships to ensure flawless judging.
अंतर्राष्ट्रीय जिम्नास्टिक महासंघ ने आगामी विश्व चैंपियनशिप के लिए 'एआई-स्कोरिंग असिस्टेंट' तकनीक को शामिल करने की घोषणा की; यह तकनीक एथलीटों के शरीर के लचीलेपन और कलाबाजी के कोणों का 3D विश्लेषण कर रेफरी को निष्पक्ष निर्णय लेने में मदद करेगी।

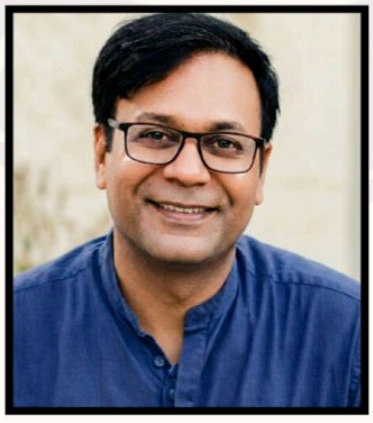

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"करेंट अफेयर्स केवल याद करने की चीज नहीं, बल्कि दुनिया के विकास क्रम को समझने का जरिया है। अपडेट रहें, आगे बढ़ें।"

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

प्रकृति का संतुलन

(अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस विशेष)

विद्यालय की प्रार्थना सभा में आज अनीता मैडम बच्चों को जैव विविधता का महत्व समझा रही थीं। उन्होंने कहा—

"धरती पर मौजूद हर पेड़, पक्षी, पशु और छोटा-सा जीव प्रकृति के संतुलन के लिए जरूरी है।"

अमन ध्यान से सुन रहा था। उसने पूछा— "मैडम, क्या छोटे जीव भी इतने महत्वपूर्ण होते हैं?"

अनीता मैडम मुस्कुराईं— "हाँ, प्रकृति में कोई भी जीव बेकार नहीं होता।"

फिर उन्होंने बच्चों को एक कहानी सुनाई।

एक गाँव के पास सुंदर बगीचा था। वहाँ रंग-बिरंगे फूल, तितलियाँ, चिड़ियाँ और मधुमक्खियाँ रहती थीं। बच्चे वहाँ खेलते और प्रकृति की सुंदरता का आनंद लेते थे।

एक दिन कुछ लोगों ने सोचा कि मधुमक्खियाँ बेकार हैं। उन्होंने उनके छत्ते हटा दिए। शुरुआत में सब सामान्य लगा, लेकिन कुछ ही दिनों बाद फूल कम खिलने लगे। पेड़ों पर फल भी घटने लगे।

गाँव के बुजुर्ग माली ने समझाया—"मधुमक्खियाँ फूलों के परागण में मदद करती हैं। इनके बिना प्रकृति का संतुलन बिगड़ जाता है।"

तब लोगों को अपनी गलती का एहसास हुआ। उन्होंने फिर से पेड़-पौधों और जीवों की रक्षा शुरू की। धीरे-धीरे बगीचा फिर से हरा-भरा हो गया।

यह सुनकर अमन बोला—"मैडम, अब समझ में आया कि प्रकृति की हर छोटी चीज़ महत्वपूर्ण होती है।"

अनीता मैडम ने कहा—"बिल्कुल। यदि हमें पृथ्वी को सुंदर और सुरक्षित रखना है, तो हमें सभी जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों का संरक्षण करना होगा।"

उस दिन सभी बच्चों ने संकल्प लिया कि वे प्रकृति और जैव विविधता की रक्षा करेंगे।

संदेश : "प्रकृति की हर जीवित कड़ी पृथ्वी के संतुलन और जीवन के लिए अनमोल है।"

.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

विद्यालय में फर्नीचर का रख-रखाव कैसे करें?

विद्यालय में बेंच-डेस्क, मेज और कुर्सियों की आपूर्ति विभाग द्वारा की जाती है या फिर कतिपय तरीको से हम शिक्षक विद्यालय में उसकी व्यवस्था कर लेते हैं परंतु उसका रखरखाव कैसे करना चाहिए शायद हमें पता नहीं होता या हम करना नहीं चाहते। फलत: काफी जद्दोजहद के बाद विद्यालयों को प्राप्त उपस्कर हल्की खराबी के बाद कबाड़ घर की शोभा बढ़ाते नजर आते हैं। विद्यालय में उपलब्ध बेंच-डेस्क, मेज और कुर्सियों का समय समय पर रखरखाव करते रहना चाहिए। इनको टूट से बचाने एवं रखरखाव के लिए हम निम्नलिखित व्यवस्था कर सकते हैं:

अधिकांश विद्यालयों में छात्रों के बेंच पर कूदने या लिखने से उसमें टूट होती है। अतः छात्रों को ऐसा नहीं करने की हिदायत देते हुए ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए कि कभी कोई वर्ग बिना शिक्षक के नहीं रहे।

बेंच -डेस्क में यदि कहीं कांटी या नट-बोल्ट ढ़ीला पड़ जाए तो तुरंत उसकी कसाई करानी चाहिए। यदि लकड़ी या लोहे में कोई टूट हो जाए तो तुरंत उसकी मरम्मत करानी चाहिए। छात्रों में बेंच-डेस्क को फर्श पर घसीटने के बजाय उठाकर रखने की आदत डालनी चाहिए। प्रत्येक कक्षा में मॉनिटर को इसकी सुरक्षा एवं देखभाल की जिम्मेदारी दी जानी चाहिए।

शिक्षक जिस मेज-कुर्सी का उपयोग कर रहे हों उन्हें सूखी और साफ जगह पर रखना चाहिए। यदि पानी गिर जाए तो तुरंत साफ करना चाहिए ताकि लकड़ी खराब न हों। प्लास्टिक या फाइवर की कुर्सियों को तेज धूप में लंबे समय तक नहीं रखना चाहिए क्योंकि इससे उनके जल्द टूटने की संभावना बढ़ जाती है। लोहे से बने फर्नीचर में जंग दिखे तो तुरंत पेंट कराने की व्यवस्था होनी चाहिए।

कक्षा में प्रतिदिन उस पर लगे धूल की साफ-सफाई कराई जानी चाहिए तथा सप्ताह में एक दिन गहन सफाई करानी चाहिए। विद्यालय के छात्रों के बीच स्वच्छता और जिम्मेदारी का भाव उत्पन्न करने वाले क्रियाकलाप आयोजित किया जाना चाहिए।

सभी तरह के फर्नीचर का विवरण स्टॉक रजिस्टर रखना चाहिए। साथ ही किस कक्षा में कितना कितना बेंच, डेस्क, मेज, कुर्सी है, इसका रिकॉर्ड रखना चाहिए ताकि क्षति होने पर सटीक सूचनाएं प्राप्त हो।

फर्नीचर कै टूटे किनारे, निकली कील या वेल्डिंग आदि को तुरंत ठीक कराना चाहिए।

छोटे बच्चों के लिए सुरक्षित और बिना हिलने डुलने वाले फर्नीचर रखना चाहिए।

समय समय पर बेंच डेस्क को रंगवाने की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए।

लम्बी छुट्टी हेतु जब विद्यालय बंद हो रहे हों तब उनकी सुरक्षा एवं रखरखाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने के उपरांत ही प्रधानाध्यापक को विद्यालय परिसर से बाहर निकलना चाहिए।

हमारे इन सभी उपायों से ही विद्यालय का फर्नीचर लंबे समय तक टिकाऊ और उपयोगी बना रहता है।

तो आईए हम अपने विद्यालय में बेंच, डेस्क, मेज ,कुर्सी आदि के रखरखाव की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें।

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की शृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयाह से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

संवाद सूत्र, जागरण• बगहाः बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार, राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोरः पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकताः ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशाः 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

अनुभाग-8

"बिहार दर्शन : पूर्वी चम्पारण, अंक–5"

विभूतियों की थाती, अद्वितीय त्याग और आस्था के केंद्र

'संपादकीय'

पूर्वी चंपारण की ऐतिहासिक उर्वरता केवल आंदोलनों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इस मिट्टी ने ऐसे चरित्रों को गढ़ा जिन्होंने अपने अद्वितीय साहस और मेधा से वैश्विक इतिहास की दिशा बदल दी। चंपारण सत्याग्रह के दौरान देशप्रेम की सबसे अलौकिक मिसाल पेश करने वाले बत्तख मियाँ इसी जिले के नीलवर कोठी (अमोल्वा के समीप) से जुड़े थे। ब्रिटिश मैनेजर नील बगान के इशारे पर जब गांधी जी के भोजन में जहर मिलाया गया था, तब बत्तख मियाँ ने अपनी जान और परिवार को दांव पर लगाकर गांधी जी की रक्षा की थी। उनका यह मूक लेकिन महाप्रतापी त्याग इतिहास की एक ऐसी घटना है, जो सिखाती है कि इतिहास के रुख को बदलने के लिए ऊंचे पदों की नहीं, बल्कि एक अडिग ईमान की जरूरत होती है। इसी प्रकार, स्वतंत्रता संग्राम के दौरान शुकदेव पुंडरीक जैसे ओजस्वी क्रांतिकारियों ने अपनी लेखनी और संगठन क्षमता से पूरे उत्तर बिहार में राष्ट्रवाद की जो अलख जगाई, उसकी गूँज आज भी यहाँ के सामाजिक सरोकारों में सुनाई देती है।

साहित्य और आधुनिक मेधा के क्षेत्र में भी इस जिले के हस्ताक्षरों ने राष्ट्रीय फलक पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है। समकालीन कला, रंगमंच और साहित्यिक विमर्श को नई ऊंचाई देने वाले बौद्धिक व्यक्तित्वों की एक लंबी श्रृंखला यहाँ रही है, जिन्होंने मोतिहारी की सोंधी माटी के अनुभवों को आधुनिक संदर्भों में पिरोया। यहाँ की जनचेतना में रचे-बसे लोक-गीत और सामाजिक सरोकार केवल मनोरंजन के साधन नहीं हैं, बल्कि वे अन्याय के खिलाफ प्रतिरोध और सांप्रदायिक सौहार्द का एक मजबूत घोषणापत्र हैं। चंपारण की साझी संस्कृति (गंगा-जमुनी तहजीब) का सबसे खूबसूरत स्वरूप यहाँ के मुशायरों और साहित्योत्सवों में दिखाई देता है, जहाँ भोजपुरी की मिठास और हिंदी-उर्दू का सलीका मिलकर एक अनूठा सांस्कृतिक संगम तैयार करते हैं।

आध्यात्मिक और पौराणिक चेतना के दृष्टिकोण से पूर्वी चंपारण का कोना-कोना अत्यंत पवित्र और प्राचीन है। अरेराज में स्थित सोमेश्वरनाथ महादेव मंदिर इस पूरे क्षेत्र की धार्मिक आस्था का सर्वोच्च केंद्र है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इस ज्योतिर्लिंग सदृश शिवलिंग की स्थापना स्वयं चंद्रमा ने की थी और त्रेतायुग में जनकपुर जाते समय भगवान श्रीराम ने भी यहाँ पूजा-अर्चना की थी। सावन के महीने में यहाँ उमड़ने वाला जनसैलाब और नेपाल से आने वाले श्रद्धालुओं की कतारें इस स्थल को एक अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक सेतु के रूप में स्थापित करती हैं। यह मंदिर केवल पूजा-पाठ का स्थल नहीं, बल्कि उत्तर बिहार और नेपाल के तराई क्षेत्रों के बीच सदियों पुराने रोटी-बेटी और सांस्कृतिक संबंधों का मूक गवाह है।

आस्था की इसी अटूट श्रृंखला में चकरहिया का रामजानकी मंदिर और जिले में बिखरे प्राचीन शिवालय अपनी ऐतिहासिक वास्तुकला और लोक-मान्यताओं के लिए जाने जाते हैं। इसके साथ ही, जिले के मध्य में स्थित मोतीझील न केवल मोतिहारी शहर के सौंदर्य का हृदय है, बल्कि यह यहाँ के जनजीवन की ऐतिहासिक और भौगोलिक धड़कन भी है। इसके तटों पर विकसित हुई सभ्यता और ऐतिहासिक घाट इस बात के गवाह हैं कि कैसे इस जिले ने जल-संस्कृति को अपने सामाजिक ताने-बाने का हिस्सा बनाया। ये सभी आध्यात्मिक और प्राकृतिक स्थल मिलकर इस क्षेत्र को एक ऐसा ऊर्जा केंद्र बनाते हैं, जहाँ प्राचीनता और आधुनिकता का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है।

अंततः, पूर्वी चंपारण का यह मानवीय और आध्यात्मिक पक्ष यह प्रमाणित करता है कि यहाँ की मेधा और आस्था का प्रभाव हमेशा व्यापक और समावेशी रहा है। बत्तख मियाँ का राष्ट्रप्रेम, सोमेश्वरनाथ की सर्वसमावेशी आस्था और यहाँ के मनीषियों का बौद्धिक योगदान—ये सभी तत्व मिलकर इस जिले को केवल एक प्रशासनिक इकाई नहीं, बल्कि भारतीय चेतना का एक जीवंत प्रतीक बनाते हैं। यहाँ की मिट्टी की यह विशेषता आज भी नई पीढ़ी को प्रेरित करती है कि वे अपने गौरवशाली अतीत से सीख लेकर एक सशक्त, संवेदनशील और प्रगतिशील समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं।

.....

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org